Dr. Kalpana Saini - 'Demand to strengthen sports infrastructure in Uttarakhand and to develop it as a hub for international sports events'.

Demand to strengthen the sports infrastructure in Uttarakhand and to develop it as a hub for international sports events

डा. कल्पना सैनी (उत्तराखंड) : उपसभापति महोदय, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। महोदय, उत्तराखंड अपनी प्राकृतिक सुंदरता, आध्यात्मिक महत्व और वीरता के लिए पूरे भारत में प्रसिद्ध है। कई प्रमुख तीर्थ स्थल और मंदिर होने के कारण इसे देवभूमि भी कहा जाता है। हाल में राष्ट्रमंडल खेलों के सफल आयोजन के बाद उत्तराखंड की पूरे देश में सराहना हो रही है। महोदय, खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन, इको फ्रेंडली आयोजन और मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर ने साबित कर दिया है कि उत्तराखंड सिर्फ देवभूमि ही नहीं, बल्कि खेलभूमि बनने की ओर भी अग्रसर है। महोदय, यहाँ के युवाओं में खेलों के प्रति उत्साह और क्षमता देखते हुए यह आवश्यक हो गया है कि उत्तराखंड राज्य को अंतर्राष्ट्रीय खेल आयोजन के केंद्र के रूप में विकसित किया जाए। राष्ट्रीय खेलों का आयोजन 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' की अवधारणा को मजबूत करते हुए भारत की संस्कृति, परंपराओं और खेल प्रतिभा का उत्सव मनाने का एक प्रभावी मंच है।

भारत तेजी से दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति बनने की ओर अग्रसर है। इस लक्ष्य में खेल अर्थव्यवस्था एक प्रभावी भूमिका निभा रही है। भारत को वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनाने के लिए खेलों के प्रति एक सुव्यवस्थित और सहयोगात्मक दृष्टिकोण की आवश्यकता है। प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में एनडीए सरकार 2036 ओलम्पिक के मेजबानी के अधिकार प्राप्त करने के लिए पूरी प्रतिबद्धता और ऊर्जा के साथ इच्छा रखती है। यह ऐतिहासिक पहल न केवल भारतीय खेल जगत को वैश्विक जगत पर नई ऊंचाइयों तक ले जाएगी, बल्कि इससे बुनियादी ढांचे, पर्यटन, रोजगार और आर्थिक प्रगति के लिए असीम संभावनाएं भी उत्पन्न होंगी। साथ ही यह आयोजन देश के लाखों युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत भी बनेगा। उत्तराखंड की भौगोलिक स्थिति और जलवायु इसे पर्वतीय खेलों, एथलेटिक्स, फुटबॉल, क्रिकेट और एडवेंचर स्पोर्ट्स के लिए विशेष रूप से अनुकूल बनाती है। यदि यहां अंतरराष्ट्रीय खेलों की प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है, तो इससे न केवल राज्य की ख्याति बढ़ेगी, बल्कि पर्यटन, रोजगार और आर्थिक विकास को भी बल मिलेगा। उत्तराखंड को वैश्विक खेल मानचित्र में स्थापित करने के लिए अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप विकसित करने की आवश्यकता है। इसके तहत विश्व स्तरीय स्टेडियम, अत्याधुनिक ट्रेनिंग सेंटर और मल्टी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स की स्थापना को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। विशेष रूप से ऋषिकेश, नैनीताल, देहरादून, औली और मसूरी जैसे पर्यटन स्थलों को एडवेंचर स्पोर्ट्स हब के रूप में विकसित किया जाए। उत्तराखंड पहले से ही ट्रैकिंग, राफ्टिंग और पर्वतारोहण जैसे साहसिक खेलों के लिए प्रसिद्ध है, लेकिन उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संगठित और संरक्षित करने की आवश्यकता है। इसके लिए विशेष विश्व स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन कर राज्य को अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों की सफल ...**समय की घंटी**)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The following hon. Members associated themselves with the matter raised by hon. Member Dr. Kalpana Saini: Dr. Sasmit Patra (Odisha), Shri Niranjan Bishi (Odisha), Dr. Sumer Singh Solanki (Madhya Pradesh), Ms. Kavita Patidar (Madhya Pradesh), Shrimati Ramilaben Becharbhai Bara (Gujarat), Shrimati Sumitra Balmik (Madhya Pradesh), Shri Naresh Bansal (Uttarakhand), Shri Ram Chander Jangra (Haryana), Shri M. Mohamed Abdulla (Tamil Nadu) and Shrimati Geeta alias Chandraprabha (Uttar Pradesh).

Smt. Ranjeet Ranjan - Concern over poor implementation of the Regional Connectivity Scheme (RCS)-UDAN (Ude Desh Ka Aam Nagrik).

Concern over poor implementation of the Regional Connectivity Scheme (RCS)-UDAN (Ude Desh Ka Aam Nagrik)

श्रीमती रंजीत रंजन (छत्तीसगढ़) : उपसभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से एक महत्वपूर्ण मुद्दा उठाना चाहती हूं। 'उड़ान' योजना 2016 में आपकी सरकार ने शुरू की थी। आम नागरिकों को कहा गया था - 'उड़ान' योजना, यानी 'उड़े देश का आम नागरिक', लेकिन अभी यह हो रहा है कि अंधाधुंध किराए बढ़ रहे हैं, विमान मालिकों की अपनी मनमानी चल रही है, मोनोपॉली चल रही है, कोई भी जवाबदेही नहीं है, बहुत सारे लोगों की बहुत तरीके की हरासमेंट हो रही है और कोई सुनने वाला नहीं है। सरकार ने घोषणा में यह कहा था कि हम बाटा की चप्पल पहनने वालों को विमान का सफर कराएंगे। बाटा की चप्पल सस्ती है। मैं सरकार को याद दिलाना चाहूंगी कि जो 20 रुपये की चाय है, वह चाय प्लेन में 200 रुपये की मिलती है। जब हमारी सरकार थी, मैं निश्चित रूप से कहूंगी कि हमने हवाई जहाज में 2,200 रुपये में भी सफर किया, 3,300 रुपये में भी सफर किया है। मैं बिजनेस क्लास का किराए के संबंध में 2022 का एक डेटा देना चाहती हूं। 2022 से दिल्ली-पटना का किराया लगभग तीन गुना बढ़ गया है और लगभग 15,000 हो गया है। अक्टूबर 2022 में एयर इंडिया की पुणे-दिल्ली की जो उड़ान है, उसमें इकोनॉमी क्लास का किराया 27,000 हो गया है। बिजनेस क्लास का जो किराया था, वह 24,000 था। इस तरह की बहुत सारी अन्य घटनाएं भी हैं। अभी रिसेंटली एक शुगर पेशेंट था, उसने प्री बुकिंग मील बुक करायी और वह बहुत डिले हुई। उसे बहुत ज्यादा हाइपरटेंशन हो गई और वह सीरियस हो गया। ऐसी बहुत सारी घटनाएं आई हैं। खराब फूड - खराब क्वालिटी का खाना परोसा जाता है। सीटों की क्वालिटी – कई बार टूटी सीट्स पर लोगों को बैठना पड़ता है। कई बार रनवे पर घंटों-घंटों तक प्लेन को खड़ा रखा जाता है। कई बार ए.सी. बंद हो जाते हैं और पैसेंजर्स वहां पर पसीने-पसीने हो रहे होते हैं। कई बार कई पैसेंजर्स को विमान से निकालना पड़ता है, क्योंकि उनकी तबीयत खराब हो जाती है। मैं यह जानना चाहती हूं कि क्या इसकी कोई जवाबदेही तय होगी? आप किराया कम करने के बात कर रहे हैं। मैं आपको कुम्भ का एक एग्जाम्पल दूंगी। अपने 50 परसेंट का डिस्काउंट भी दिया, उसके बाद भी 30,000 से लेकर 1,00,000 तक वसूले जा रहे थे। मैं पूछना चाहती हूं कि यह किसकी उड़ान है? क्या यह विमान मालिकों की उड़ान है या आम नागरिकों की उड़ान है?